सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सद्भाव यात्रा में राहुल गांधी होंगे शामिल, हरियाणा .... पेज: 7

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 37 | शुक्रवार 08 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें। ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

-ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में

करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

-राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूर वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है

कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रुझान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दशार्ता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड ?यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड ?यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्लह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ने की महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन सभागार में सदस्या संगीता जैन, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग मानव अधिकार भवन तृतीय तल गोमती नगर लखनऊ द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु महिलाओं के लाभार्थ हेतु एक दिवसीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सदस्या के समक्ष महिलाओं द्वारा प्रस्तुत 12 महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को रखा जिनको सदस्य द्वारा गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा उन सभी महिलाओं को न्याय दिलाने का आश्वासन आश्वासन दिया। प्राप्त प्रार्थना पत्रों का यथा शीघ्र निस्तारण कर आख्या से अवगत कराया जाए एवं महिलाओं से संबंधित अधिक से अधिक प्रकरणों का जनपद स्तर पर ही निस्तारण कर दिया जाएं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई महिला अगर शिकायत लेकर थाने में जाती है तो पूरी गंभीरता के साथ महिलाओं की शिकायतों को सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए। साथ ही उनके द्वारा कहा गया की घरेलू हिंसा से संबंधित जितने भी प्रकरण लंबित हैं ऐसे प्रकरणों में सर्वप्रथम दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी वार्ता संबंधित महिला थाना पर कराई जाए। सदस्या संगीता जैन, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, मानव अधिकार भवन तृतीय तल गोमती नगर, लखनऊ द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया की मौके पर जाकर सुलह-समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जाए। निस्तारण में समस्या आने पर आवश्यकता अनुसार प्रशासन का सहयोग लिया जाए, जिसमें किसी भी प्रकार की स्थिरता या लापरवाही ना बढ़ती जाए तथा प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार महिला आयोग महिलाओं की सुरक्षा में न्याय दिलाने को लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है।

साथ राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा कस्तूरबा गॉधी विद्यालय, अमरोहा व महिला थाना, अमरोहा का भी निरीक्षण किया गया व्यवस्था एवं साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। समीक्षा बैठक में ज्ञान प्रकाश तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, शिखा शर्मा, जिला दिव्यांजन सशक्तिकरण अधिकारी, प्रभारी, मीनाक्षी गुप्ता, महिला थाना, अमरोहा, एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के समस्त कार्मिक आदि मौजूद रहे।

अवैध गेहूं भंडारण पर डीएम का सख्त एक्शन, छापेमारी के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने गेहूं खरीद व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। शासन के निर्देशांनुसार डीएम ने सभी सभी उपजिलाधिकारियों और पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध रूप से गेहूं का भंडारण करने वाले आढ़तियों के खिलाफ तुरंत छापेमारी की जाए। सीमा चेक पोस्टों पर निगरानी और बढ़ाई जाए तथा कोई भी ट्रक, टेंपो या अन्य वाहन बिना R-6 अथवा गेट पास के गेहूं लेकर न जा सके। साथ ही आटा मिलों, राइस मिलों और संदिग्ध गोदामों की विशेष जांच की जाए जहां अवैध गेहूं रखे जाने की आशंका हो।

डीएम ने स्पष्ट कहा है कि सभी के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया जाए और प्रवर्तन कार्यवाही में किसी भी प्रकार की चयनात्मकता न बरती जाए।

11 मई को ग्रा0-केशोपुर, में आयोजित होगा प्रधानमंत्री अप्रेन्टिस मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोडल प्रधानाचार्य कृष्ण शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा किराजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड, में दिनांक 11 मई, 2026 दिन सोमवार, को पूर्वाह् व 10:00 बजे प्रधानमंत्री अप्रेन्टिस मेले का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें जपनद एवं वाह्य की प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर विभिन्न व्यवसायों के आई०टी०आई०/ हाईस्कूल / स्नातक/डिग्री / डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का अप्रेन्टिस हेतु चयन किया जायेगा। 11 मई, 2026 दिन सोमवार, को पूर्वाह्व 10:00 बजे आयोजित प्रधानमंत्री अप्रेन्टिस मेले में उक्तानुसार समस्त व्यवसायों के आई०टी०आई०/ हाईस्कूल/स्नातक/डिग्री/डिप्लोमा आदि के समस्त उत्तीर्ण अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड अमरोहा में उपस्थित होकर स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करें।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में फायर सेफ्टी मॉकड्रिल का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में फायर सेफ्टी सप्ताह के अंतर्गत एक दिवसीय फायर सेफ्टी मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। डीएफओ की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ए.के भंडारी, जिला संयुक्त चिकित्सालय तथा अन्य चिकित्सा कर्मचारियों की सक्रिय उपस्थिति रही। मॉकड्रिल जिला संयुक्त चिकित्सालय के प्रांगण में संपन्न हुई। इसमें अस्पताल के समस्त चिकित्सा कर्मचारियों, नर्सिंग स्टाफ तथा अधिकारियों को अग्नि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग तथा सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने लाइव डेमो के माध्यम से आग बुझाने की तकनीक, फायर एक्सटिंग्विशर के प्रकार व उनके उपयोग, सिलेंडर हैंडलिंग तथा आपातकालीन निकासी मार्गों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। मॉकड्रिल के उपरांत एक संक्षिप्त गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें फायर सेफ्टी के महत्व, अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों में सतर्कता बरतने तथा पूर्व तैयारी पर चर्चा की गई। कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से डिप्टी सीएमओ तथा एपिडेमियोलॉजी विभाग के अधिकारियों ने गोष्ठी व डेमो में सक्रिय प्रतिभाग किया।समस्त कर्मचारियों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डीएम डॉ0 नितिन गौड़ ने स्वयं अपनी स्वगणना की, नागरिकों से की डिजिटल स्वगणना में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने आज स्वयं se.census.gov.inपोर्टल पर अपनी स्वगणना की। इसके साथ ही उन्होंने सभी जनपदवासियों से भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत संचालित स्वगणना प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की है। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने बताया कि जनपद अमरोहा में स्वगणना की सुविधा 07 मई से 21 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। घर बैठे अपनी जानकारी दर्ज करें। नागरिक se.census.gov.inपोर्टल पर जाकर पंजीकरण करें। परिवार के मुखिया का नाम एवं मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद ओटीपी सत्यापन होगा। इसके बाद हिंदी, अंग्रेजी या अन्य उपलब्ध भाषाओं में पता, परिवार के सदस्यों की जानकारी, शिक्षा, व्यवसाय आदि विवरण भर सकते हैं। प्रक्रिया पूर्ण होने पर एक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने बताया कि जब जनगणना अधिकारी या प्रगणक घर पर आएंगे, तो नागरिकों को केवल यह आईडी दिखानी होगी। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पोर्टल पर समस्याओं के समाधान की भी सुविधा उपलब्ध है। डॉ0 नितिन गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सही, पूर्ण और प्रमाणिक जानकारी दर्ज करें।

आपका एक क्लिक राष्ट्र के विकास की नींव मजबूत करेगा। स्वगणना से प्राप्त सटीक आंकड़ों के आधार पर बेहतर योजनाएं बनाई जा सकेंगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वे स्वयं स्वगणना करें और अपने क्षेत्र में जागरूकता फैलाएं। डिजिटल जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा। इस दौरान प्रगणक आपके घर जाकर जनगणना संबंधी आंकड़े एकत्र करेंगे। यह पहली बार है जब स्व-गणना का प्रावधान किया गया है।

नोडल अधिकारी डा0 निखिल वार्ष्णेय ने गौशालों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शासन स्तर से नामित नोडल अधिकारी डा० निखिल वार्ष्णेय संयुक्त निदेशक द्वारा जनपद अमरोहा के गौ आश्रय स्थल फरीदपुर इम्मा, चुचैला कलां, डींगरा, कान्हा धनौरा, बछरांयू, रहमापुर माफी एवं कान्हा गजरौला का निरीक्षण किया गया । नोडल अधिकारी द्वारा निरीक्षण में गौ आश्रय स्थलों में पायी गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया । नोडल अधिकारी द्वारा समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि शासन स्तर से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गौवंशों के भरण पोषण हेतु दान एवं कय के माध्यम से भूसा संग्रह का लक्ष्य 31 मई तक शत प्रतिशत पूर्ण किया जाय। गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशों के ग्रीष्म ऋतु में हीट वेव से बचाने हेतु सभी आवश्यक उपाय किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया। तदुपरान्त विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में नोडल अधिकारी डा० निखिल वार्ष्णेय द्वारा पशुपालन विभाग, खण्ड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों एवं ग्रांम पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक ली गई। नोडल अधिकारी द्वारा अन्य सभी गौशालाओं की व्यवस्था व पशुओं के स्वास्थ्य की सराहना की गई परन्तु वृहद गौ संरक्षण केन्द्र रहमापुर माफी में हरा चारा नियमित रूप से न दिये जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए पशु स्वास्थ्य में हरे चारे की अहमियत पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत सचिवों को कठोर चेतावनी देते हुए भविष्य में नियमित रूप से मानकों के अनुरूप आहार व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा० आभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा० चमन प्रकाश, डा० चन्द्रजीत सिंह, डा० निलय कुमार व डा० दीपाक्षी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की चकबंदी विभाग की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ की अध्यक्षता में चकबन्दी विभाग की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में धीरेन्द्र प्रताप अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शैलेश कुमार शाही, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, पंकज उप्रेती चकबन्दी अधिकारी, विनय मणि त्रिपाठी, चकबन्दी अधिकारी तथा समस्त सहायक चकबन्दी अधिकारी के साथ-2 चकबन्दीकर्ता, चकबन्दी लेखपाल उपस्थित हुए। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 03 ग्राम में चक सीमांकन/कब्जा परिवर्तन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है तथा एक ग्राम का कार्य अगले सप्ताह से प्रारम्भ किया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि कृषकों के साथ में बिना भेदभाव के कार्य गुणवत्तापूर्वक किया जाये। यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी। निर्धारित अवधि में लक्ष्य बनाकर चकबन्दी कार्य समय से पूर्ण करें। पुराने वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। सबसे पुराने वादों को लाल स्याही से चिन्हित कर प्रत्येक न्यायालय दिवस में तिथि नियत कर निस्तारण एक माह में सुनिश्चित किया जाये। किसी भी दशा में एक वर्ष से पुराने वाद अवशेष नहीं होने चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कृषकों की सहमति के बिना उड़ान चक न बनाया जाये तथा कृषकों के भविष्य से खिलवाड़ न किया जाये।

राशनकार्ड धारकों को 24 मई से 08 तक होगा नि:शुल्क वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत राशनकार्ड लाभार्थियों को माह मई, 2026 के सापेक्ष दिनांक 24 अप्रैल से 08 मई तक हो रहे निःशुल्क वितरण की तिथि दिनांक 14 मई तक विस्तारित की जाती है। उक्त अवधि में अन्त्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों को प्रति कार्ड 21 किग्रा0 गेहूँ, 14 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा खाद्यान्न) एवं पात्र गृहस्थी योजना के राशनकार्ड धारकों/लाभार्थियों को 03 किग्रा0 गेहूँ, 02 किग्रा0 चावल प्रति यूनिट (कुल 05 किग्रा0 खाद्यान्न प्रति यूनिट) का निःशुल्क वितरण किया जाएगा ।

दिनांक 14 मई तक ई-पॉस के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा, मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफीकेशन के माध्यम से वितरण की सुविधा दिनांक 08 मई से साथ-साथ दिनांक- 14 मई को भी उपलब्ध रहेगी । उपरोक्तानुसार दिनांक 14 मई तक कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी ।

आवश्यक वस्तुओं के वितरण के सम्बन्ध में आयुक्त के कार्यालय पत्रांक- 1585, दिनांक- 22 अप्रैल एवं जिलाधिकारी महोदय, अमरोहा के कार्यालय पत्रांक-350 / जि0पू0अ0/वितरण आदेश / 2026, दिनांक-24 अप्रैल में उल्लिखित शेष निदेशों का अनुपालन करते हुए वितरण कार्य किया जायेगा, जिससे कोई भी लाभार्थी आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करने से वंचित न रहे । अतः जनपद के समस्त उचित दर विक्रेता, नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में खाद्यान्न का नियमानुसार वितरण करना सुनिश्चित करेंगे।

गजरौला रेलवे लाइन के निकट संदिग्ध परिस्थिति में मिला अज्ञात युवती का शव

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र में रेलवे लाइन के निकट एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस मृतका की पहचान करने में भी असफल रही।

बता दें कि पूरा मामला गुरुवार की सुबह का है जहां नगर क्षेत्र के भानपुर रेलवे क्रॉसिंग एवं नेशनल हाईवे 9 के निकट झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध हालातो में पड़ा हुआ मिला जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर गजरौला कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। इस मामले पुलिस के मुताबिक प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 25 से 27 वर्ष के बीच बताई जा रही है जिसकी पुलिस द्वारा शिनाख्त करने की कोशिश की गई लेकिन असफल रही। इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया है कि प्रथम दृष्टया यह मामला जहर का सेवन करने का प्रतीत हो रहा है। पुलिस द्वारा शव की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं, आसपास के थानों में एवं जिलों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाली जा रही है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस द्वारा शव को मोर्चरी पर रखवा दिया गया है। युवती की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उसकी तस्वीर आसपास के क्षेत्र में प्रसारित की गई है उधर पुलिस अभी संभावित बिंदुओं पर जांच करने में जुटी है।

गजरौला में वाहन चैकिंग अभियान के तहत यातायात पुलिस ने काटे 200 चालान,10 मैजिक किए सीज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है।उसी क्रम गजरौला चौपला चौराहे पर यातायात पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर बड़ी कार्यवाही करते हुए 200 बाइकों के चालान और डग्गामारी कर रहे 10 मैजिक-टैंपू सीज किए गए।

बता दें कि गजरौला शहर के चौपला चौराहे पर यातायात पुलिस ने गुरुवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात प्रभारी अनुज मलिक के नेतृत्व में बिना हेलमेट, बिना कागजात और ट्रिपल राइडिंग कर रहे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान पुलिस ने 200 मोटर बाइक के चालान काटे। वहीं अवैध रूप से डग्गामारी कर रहे 10 मैजिक और टैंपू को सीज कर दिया। यातायात पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि चौपला चौराहे के चारों ओर अवैध डग्गामार वाहन हर रोज चल रहे थे। इन वाहनों से राजस्व विभाग को रोजाना लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा था।यातायात प्रभारी अनुज मलिक ने कहा कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। शहर में जाम और हादसों की बड़ी वजह ये अवैध वाहन हैं।

मंडी समिति बहजोई के नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद की मंडी समिति बहजोई क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब मंडी परिसर के पास बने नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बहजोई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर बाद फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई और साक्ष्य जुटाने में लग गई।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार आशंका जताई जा रही है कि मृतक शराब के नशे में रहा होगा और बारिश के दौरान नाले में गिर गया। बारिश अधिक होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि मृतक क्षेत्र का रहने वाला प्रतीत नहीं हो रहा है, क्योंकि अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है और आसपास के लोग भी उसे पहचान नहीं पा रहे हैं। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक नमूने और साक्ष्य एकत्र किए हैं। वहीं पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में भी मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। कोतवाली बहजोई के क्राइम इंस्पेक्टर बलराम यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, युवक की इलाज के दौरान मौत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- गंगा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में आगरा निवासी एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद घायल अवस्था में युवक को यूपीडा की एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान किशनवीर पुत्र पाती राम उम्र लगभग 31 वर्ष निवासी खेड़ा बगूर मानखेड़ा जनपद आगरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 3:10 बजे गंगा एक्सप्रेसवे पर किसी वाहन की टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे की सूचना मिलते ही एक्सप्रेसवे पर तैनात यूपीडा एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सीएचसी बहजोई पहुंचाया गया।

सीएचसी में चिकित्सकों ने युवक का इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बच सकी।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

भारतीय वैश्य महासभा की बैठक आयोजित, संगठन मजबूती पर जोर

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के नगर चन्दौसी स्थित साहू झुन्नीलाल धर्मशाला में भारतीय वैश्य महासभा (रजि.) की एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वैश्य समाज के संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रधान सचिव डॉ. संजीव कुमार वार्ष्णेय उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता वैश्य भामाशाह हरिगोपाल वार्ष्णेय ने की, जबकि संचालन प्रभात कृष्णा द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि रवि प्रकाश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्य समाज देश की आर्थिक एवं सामाजिक रीढ़ है और इसे अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है तथा युवाओं को आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी होगी।

विशिष्ट अतिथि डॉ. संजीव कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि आगामी 10 मई को एटा में वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें आगरा, अलीगढ़, बरेली और मुरादाबाद मंडल के वैश्य वर्ग के 356 उपवर्गों के विशिष्ट जनों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक वैवाहिक योग्य 576 युवक-युवतियों का पंजीकरण हो चुका है। कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्य समाज को संगठित और एकजुट करना है।

बैठक में संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता, युवाओं की भागीदारी एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज के विकास और संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सतेन्द्र मामा, मुकेश वार्ष्णेय, सचिन वार्ष्णेय, सागर गुप्ता, अनुज वार्ष्णेय, चमन वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल एवं अक्षत अग्रवाल सहित अनेक वैश्य भामाशाह उपस्थित रहे।

गीता ज्ञान यज्ञ का भावपूर्ण समापन, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर में आयोजित सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ का सातवें एवं अंतिम दिन भक्तिमय और भावुक वातावरण में समापन हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन होकर भजन-कीर्तन पर नाचते-गाते दिखाई दिए।

गीता व्यास स्वामी कृष्णानंद ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि जिस प्रकार मनुष्य का इस संसार में आना निश्चित है, उसी प्रकार उसका जाना भी निश्चित है। मनुष्य के साथ केवल उसके कर्म और गुण ही जाते हैं। उन्होंने कहा कि बीते सात दिनों में भगवान श्रीकृष्ण की गीता के माध्यम से जो दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ है, उसे अपने बुद्धि-विवेक से जीवन में अक्षरशः पालन करने का संकल्प लेना चाहिए।

स्वामी कृष्णानंद ने कहा कि समाज में बिना किसी भेदभाव और प्रतिस्पर्धा के सभी को एकता, समानता और बंधुत्व की स्थापना के लिए अपने स्वधर्म का पालन करना चाहिए। यही गीता का वास्तविक संदेश और धर्म है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी धर्म की स्थापना का संदेश दिया है और उसका पालन व संरक्षण करना प्रत्येक भारतीय का स्वधर्म है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिक्षा वार्ष्णेय द्वारा गीता ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिन जिज्ञासुओं एवं कृष्ण भक्तों ने सही उत्तर दिए, उन्हें गीता पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर श्रद्धालु भजनों की धुन पर आनंदपूर्वक नृत्य करते हुए दिखाई दिए और पूरे वातावरण में भक्ति एवं उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अंत में स्वामी कृष्णानंद ने भावुक शब्दों में कहा, मैं तो जा रहा हूँ, लेकिन आपके पास आपके कृष्ण, आपके कल्कि को छोड़कर जा रहा हूँ। उन्हें जानिए और उनके उपदेशों का पालन कीजिए।उनके इन शब्दों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया।

सीबीआरसेटी द्वारा डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण बैच का सफल समापन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरसेटी) बहजोई में 25 अप्रैल से संचालित डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण बैच का गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद संभल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षुओं का अंतिम मूल्यांकन ईडीपी असेसर राजीव कुमार (चंदौसी) एवं डोमेन असेसर पवन कुमार (अमरोहा) द्वारा किया गया। मूल्यांकन के दौरान प्रतिभागियों की डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट से संबंधित जानकारी का परीक्षण ऑनलाइन परीक्षा तथा मौखिक प्रश्नोत्तर के माध्यम से किया गया।

संस्थान की ओर से प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षुओं के लिए नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की समुचित व्यवस्था की गई। अंतिम मूल्यांकन के बाद प्रशिक्षुओं ने मूल्यांकनकताओं एवं संस्थान के अधिकारियों के साथ स्मृति स्वरूप ग्रुप फोटो भी खिंचवाया।

संस्थान अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभागी डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट के क्षेत्र में अपना रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत गुरुवार को जनपद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी एवं सहायक नोडल अधिकारी मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रों में चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों तथा महिला संबंधी समस्याओं के निस्तारण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रमों में महिलाओं को सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जागरूक किया गया। मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य सेवाओं की जानकारी पंपलेट वितरित कर दी। साथ ही मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन का डेमो देकर महिलाओं को आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीके भी बताए गए।

जनगणना-2027 की स्व-गणना प्रक्रिया को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रही स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया के सफल क्रियान्वयन को लेकर विकासखंड बहजोई कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने की।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व-गणना अभियान में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान, जागरूकता शिविर एवं जनसंपर्क कार्यक्रम संचालित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकें।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, ग्राम पंचायत अधिकारी, समूह सखी, शिक्षा मित्र, पंचायत सहायक तथा अन्य फील्ड स्तर के कार्मिकों को सक्रिय रूप से अभियान से जोड़ा जाए। इनके माध्यम से घर-घर जाकर लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्व-गणना प्रक्रिया से आंकड़ों की शुद्धता बढ़ेगी तथा कार्य में पारदर्शिता और गति आएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी संभल, खंड विकास अधिकारी बहजोई सहित विकासखंड स्तरीय संबंधित अधिकारी एवं सभी ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी द्वारा सभी ग्राम प्रधानों को मोबाइल के माध्यम से स्व-गणना प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड करने के फैसले का व्यापारियों ने किया स्वागत

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई, चंदौसी के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड व्यवस्था में बदलने के आदेश का जोरदार स्वागत किया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय के नेतृत्व में व्यापारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और इसे व्यापारी वर्ग एवं आम उपभोक्ताओं की बड़ी जीत बताया।

नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि प्रीपेड मीटर व्यवस्था के कारण व्यापारियों को हमेशा व्यापार प्रभावित होने का डर बना रहता था, क्योंकि बैलेंस समाप्त होते ही बिना सूचना बिजली आपूर्ति बंद हो जाती थी। अब पोस्टपेड व्यवस्था लागू होने से व्यापारियों का काम-काज सुचारू रूप से चल सकेगा।

उन्होंने कहा कि प्रीपेड मीटरों के कारण उपभोक्ताओं को अधिक बिलिंग एवं तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिससे अब राहत मिलेगी। साथ ही अब उपभोक्ताओं को बिल जमा करने के लिए 15 दिनों का समय मिलेगा तथा बकाया राशि को 10 किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

चंदौसी के व्यापारी वर्ग ने इस निर्णय को अपनी लंबे समय से चली आ रही मांगों की महत्वपूर्ण सफलता बताते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया।

व्यापारियों ने बिजली विभाग में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठाई।

इस दौरान दीपक वार्ष्णेय, निशांत शर्मा, रितिक वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल, गुल हसन, अंशुल गौतम, धर्मेश राणा एवं तुषार कृष्टल सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, सड़कों पर जलभराव से बढ़ी परेशानी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में गुरुवार सुबह से दोपहर तक हुई झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। लगातार हो रही बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं दूसरी ओर नगर के कई मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव होने से लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतें हुईं। कई स्थानों पर जलभराव के कारण यातायात धीमा पड़ गया और लोगों को कीचड़ एवं फिसलन से जूझना पड़ा।

हालांकि बारिश के बाद मौसम में ठंडक घुल गई और लोगों ने राहत महसूस की। बच्चे एवं युवा बारिश का आनंद लेते दिखाई दिए, जबकि किसानों ने भी इस बारिश को फसलों के लिए लाभकारी बताया।

नगरवासियों का कहना है कि हर बार बारिश में जलनिकासी की समस्या के कारण मुख्य मार्गों पर पानी भर जाता है। लोगों ने नगर प्रशासन से जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के दारानगर गंज में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। महिला के मायके पक्ष ने पति समेत ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान कालागढ़ भिक्कावाला निवासी हरिचंद दिवाकर की पुत्री पिंकी के रूप में हुई है। पिंकी का विवाह वर्ष 2017 में दारानगर गंज निवासी नितिन कुमार के साथ हुआ था। दंपति के दो बच्चे बताए जा रहे हैं।

महिला की मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग दारानगर गंज पहुंचे और ससुराल पक्ष के खिलाफ आक्रोश जताया। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पिंकी का उत्पीड़न किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि पति नितिन कुमार अक्सर उसके साथ मारपीट करता था और इस संबंध में पहले भी पुलिस से शिकायत की जा चुकी थी।

मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि पति, सास, जेठ और जेठानी ने मिलकर पिंकी को प्रताड़ित किया और बाद में उसे जहर देकर मार डाला। परिवार का कहना है कि घटना की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। बताया गया है कि मृतका का पति नितिन कुमार धामपुर क्षेत्र में एक बैंक से जुड़े लोन कार्य में लगा हुआ है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी आरोपों और परिस्थितियों की गंभीरता से जांच कर रही है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने किया जनगणना 2027 के प्रथम चरण का शुभारंभ, स्वयं पोर्टल पर भरकर दी स्व-गणना की जानकारी

बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना 2027 के प्रथम चरण का शुभारंभ गुरुवार को जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्वयं लैपटॉप के माध्यम से पोर्टल पर सूचनाएं भरकर स्व-गणना प्रक्रिया शुरू करते हुए किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना केवल एक सरकारी कार्य नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनगणना देश को मजबूत बनाने के साथ-साथ वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सामने लाने का कार्य करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही स्पष्ट किया कि जनगणना में दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रखी जाती है।

जिलाधिकारी महात्मा विदुर सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने बताया कि 7 मई से 21 मई 2026 तक संचालित होने वाले प्रथम चरण में केवल मकानों से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। शासन द्वारा स्व-गणना के लिए निर्धारित पोर्टल https://se.census.gov.in पर नागरिक स्वयं भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यथासंभव कार्यशाला के दौरान ही स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी करें तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करें। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को स्व-गणना रजिस्टर तैयार करने और कर्मचारियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि वे सामाजिक रूप से अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकें।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने जनगणना 2027 से संबंधित तिथिवार रोस्टर और विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की जानकारी दी। वहीं जिला प्रभारी जनगणना अधिकारी जेपी यादव ने स्व-गणना पोर्टल पर भरी जाने वाली तकनीकी जानकारियों को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएचसी स्योहारा में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में गुरुवार को राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण (आरआई) कार्यक्रम के अंतर्गत माइक्रो प्लान रिव्यू एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ बी.के. स्नेही ने की।

बैठक में यूनीसेफ के मंडलीय स्वास्थ्य सलाहकार डॉ सुजीत सिंह, डब्लूएचओ के मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीन तथा जीवीए की ओर से सौरव आर्या उपस्थित रहे।

इस दौरान नियमित टीकाकरण सत्रों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। ड्यू एवं लेफ्ट आउट, ड्रॉपआउट तथा अवरोधी परिवारों के बच्चों की सूची पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही जीरो डोजर बच्चों पर विशेष फोकस करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।

इस दौरान नियमित टीकाकरण सत्रों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। ड्यू एवं लेफ्ट आउट, ड्रॉपआउट तथा अवरोधी परिवारों के बच्चों की सूची पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही जीरो डोजर बच्चों पर विशेष फोकस करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।

डॉ बी.के. स्नेही ने माइक्रो प्लान के अद्यतन, सत्र स्थलों के सत्यापन तथा टीकाकरण कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने यू-विन पोर्टल, एमसीटीएस एवं आरसीएच पोर्टल पर डेटा की समयबद्ध एवं शुद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

डॉ सुजीत सिंह ने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए कम्युनिकेशन माइक्रोप्लान की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित कर्मियों को नियमित अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने एचबीएनसी एवं एचबीवाईसी भ्रमण गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की।

डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीन ने कहा कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। गावी एवं पीसीआई से जुड़े सौरव आर्या ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य टीकाकरण कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग और बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।

बैठक में डॉ राकेश कुमार, डॉ प्रणव, डॉ हासिम, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक वीर सिंह, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, डीईओ राशि, एएनएम, एलएचवी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

शोकसभा में याद किए गए डॉ. अहमद सज्जाद के योगदान

बिजनौर (सब का सपना):- इदारा अदब-ए-इस्लामी हिन्द, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जामिआतुल फैसल ताजपुर में उर्दू के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. अहमद सज्जाद के निधन पर एक शोकसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के साहित्यकारों, शिक्षकों, छात्रों और बुद्धिजीवियों ने भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा की अध्यक्षता इस्लामी चिंतक एवं शरीअत काउंसिल के सचिव डॉ. मोहम्मद रजीउल इस्लाम नदवी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि डॉ. अहमद सज्जाद इस्लामी और रचनात्मक साहित्य के अग्रणी विद्वान थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन इस्लामी साहित्य के प्रचार-प्रसार और शिक्षा के क्षेत्र को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि मरहूम ने कम्युनिज्म और नास्तिकता जैसी विचारधाराओं के मुकाबले में इस्लामी चिंतन को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द से जुड़े रहने के बावजूद डॉ. अहमद सज्जाद ने विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संस्थाओं के साथ सक्रिय सहयोग बनाए रखा। वे इदारा अदब-ए-इस्लामी हिन्द के अखिल भारतीय अध्यक्ष भी रहे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने संस्थानों की स्थापना के साथ गरीब छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था भी कराई।

जामिआतुल फैसल के नाज़िम डॉ. सिराजुद्दीन नदवी ने कहा कि उनका मरहूम से पुराना संबंध रहा है। वे समय-समय पर संस्थान का दौरा कर मार्गदर्शन देते थे और मासिक पत्रिका ह्लअच्छा साथीह्व के संरक्षकों में भी शामिल थे।

शिक्षाविद मोहम्मद जावेद इकबाल ने उन्हें आदर्श शिक्षक बताते हुए कहा कि उन्होंने पटना और रांची विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं देकर हजारों छात्रों को प्रेरित किया। वहीं डॉ. मोहम्मद दाऊद नूर मुल्तानी ने उनकी सादगी, मिलनसारिता और प्रभावशाली उर्दू भाषा को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत कारी बदरुद्दुजा की तिलावत-ए-कुरआन से हुई, जबकि संचालन मोहम्मद यासीन ने किया। अंत में मरहूम की मगफि रत और बुलंदी-ए-दराजात के लिए सामूहिक दुआ कराई गई।

तेज रफ्तार वाहन ने ली 19 वर्षीय युवक की जान

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर-नूरपुर मार्ग पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा थाना नहटौर क्षेत्र में नूरपुर मार्ग स्थित एक भट्टे के पास हुआ। मृतक की पहचान 19 वर्षीय मोहित पुत्र सत्यवीर सिंह निवासी गांव सिगरोदा नवादा थाना मंडावली (मुरादाबाद) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मोहित बाइक से अपने घर लौट रहा था, तभी तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहित ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोहित अविवाहित था और मजदूरी कर अपने परिवार का सहारा बना हुआ था। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अज्ञात वाहन की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पंचायत चुनाव में देरी की आशंका, प्रधानों ने मांगा कार्यकाल विस्तार

बिजनौर (सब का सपना):- पंचायत चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बीच नूरपुर ब्लॉक के ग्राम प्रधानों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय प्रधान संगठन के बैनर तले एकत्र हुए प्रधानों ने सरकार से मांग की कि यदि पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए जाते हैं तो वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाए, ताकि गांवों में विकास कार्य प्रभावित न हों।

बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान नूरपुर ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानों ने कहा कि उनका कार्यकाल आगामी 26 मई को समाप्त हो रहा है, जबकि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को लेकर अभी तक स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है। ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था और ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है।

प्रधानों ने कहा कि वे जनता द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुने गए प्रतिनिधि हैं और गांव की समस्याओं, योजनाओं तथा विकास कार्यों की पूरी जानकारी रखते हैं। यदि चुनाव में देरी होती है और पंचायतें बिना निर्वाचित प्रतिनिधियों के रह जाती हैं, तो ग्रामीण विकास कार्यों में रुकावट आ सकती है।

उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि चुनाव संपन्न होने तक वर्तमान ग्राम प्रधानों को ही कार्य जारी रखने की अनुमति दी जाए। प्रधानों का कहना था कि इससे गांवों में चल रही योजनाएं प्रभावित नहीं होंगी और जनता को भी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

प्रदर्शन के बाद सभी ग्राम प्रधान जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में पंचायत चुनाव समय पर कराने या चुनाव तक कार्यकाल विस्तार देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

इस दौरान रवि कुमार, अशोक कुमार, नजाकत, पप्पू, हजारी सिंह, मुन्नी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

अवैध परिवहन पर प्रशासन का हंटर, धामपुर में खनिज लदे वाहनों की संयुक्त छापेमारी

बिजनौर/धामपुर (सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ जिलाधिकारी जसजीत कौर के तेवर सख्त नजर आ रहे हैं। उनके निर्देशों पर आज तड़के खनिज और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने धामपुर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर हड़कंप मचा दिया।

गुरुवार प्रातः 5:00 बजे खान अधिकारी और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (ARTO-प्रवर्तन) ने काशीपुर और मुरादाबाद की ओर से आने वाले उपखनिजों से लदे वाहनों को रोककर उनके प्रपत्रों की जांच की। इस अचानक हुई कार्रवाई से वाहन चालकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान अधिकांश वाहनों के दस्तावेज सही पाए गए, लेकिन एक वाहन की 'बॉडी एक्सटेंड' (मानक से अधिक बड़ी) पाई गई। नियमों के उल्लंघन पर एआरटीओ प्रवर्तन द्वारा उक्त वाहन के विरुद्ध एम.वी. एक्ट (M.V. Act) के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की गई। खान अधिकारी और संभागीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी को लगातार अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के अनुपालन में खनिज, परिवहन और राज्य कर विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जनपद में अवैध खनन और परिवहन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

डब्ल्यूएफपी टीम के प्रस्तावित दौरे से पहले नूरपुर टीएचआर प्लांट का निरीक्षण, नई पौष्टिक रेसिपियों पर जोर

बिजनौर (सब का सपना):- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) की एशिया पैसिफिक क्षेत्र की रीजनल न्यूट्रिशन एडवाइजर नोरा हॉब्स के प्रस्तावित जनपद भ्रमण एवं टीएचआर प्लांट निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को विकासखंड नूरपुर स्थित टीएचआर (टेक होम राशन) प्लांट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण उपायुक्त स्वतः रोजगार वीरेन्द्र यादव द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने प्लांट परिसर की साफ-सफाई, मशीनों की कार्यशीलता, उत्पादन इकाई, पैकेजिंग सेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण व्यवस्था, कच्चे माल के भंडारण एवं वितरण प्रणाली का विस्तृत जायजा लिया।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं World Food ProgrÔmme (WFP) तथा शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता और पोषण मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं।

निरीक्षण के दौरान टीएचआर उत्पादों की वर्तमान रेसिपी और पोषण गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि अब प्लांट में डब्ल्यूएफपी के मानकों के अनुरूप नई एवं उन्नत रेसिपियां विकसित की जा रही हैं, जिनमें बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा किशोरियों की पोषण आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा।

प्रस्तावित नई रेसिपियों में ऊर्जा युक्त हलवा, दलिया, सोया मिश्रित पौष्टिक खाद्य पदार्थ, मूंग दाल आधारित खिचड़ी, मल्टीग्रेन मिश्रण एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों से युक्त उत्पाद शामिल हैं।

इनका उद्देश्य कुपोषण में कमी लाना तथा बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य स्तर में सुधार करना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांट में कार्यरत समूहों को स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मानकों से संबंधित नियमित प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि लाभार्थियों तक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद समयबद्ध रूप से पहुंच सकें।

इस अवसर पर ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई के अधिकारी, टीएचआर नोडल अधिकारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजली विभाग के मीटर रीडर कर रहे अवैध उगाही, वीडियो वायरल

बुलंदशहर (सब का सपना):- जिले के बीबी नगर ब्लॉक में मीटर रीडरों द्वारा अवैध उगाही का मामला सामने आया है। बिजली उपभोक्ताओं से मीटर रीडर बिजली बिल कम करने का झांसा देकर प्रति कनेक्शन 100 से 200 रुपये की अवैध वसूली कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मीटर रीडर गांवों में निवास करने वाले भोले-भाले बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल कम करने का झांसा देकर गुमराह कर रहे हैं। जब उपभोक्ता सुविधा शुल्क के बारे में पूछते हैं, तो मीटर रीडर पेट्रोल और ऊपर के खर्चे का हवाला देते हैं। इस पूरे मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मीटर रीडर बिजली बिल कम करने के नाम पर ग्राहकों से अवैध उगाही कर रहा है। जब ग्राहक के द्वारा मीटर रीडर से पूछा जाता है कि आप अवैध उगाही क्यों कर रहे हो, तो वह बताता है कि हमारा पेट्रोल खर्च व हमारे अन्य खर्च कैसे चलेंगे? इस सभी का शुल्क भी तो हमें ग्राहकों से ही लेना है। वायरल वीडियो बताया जा रहा है ब्लॉक बी बी नगर क्षेत्र के गांव चित्सोना अलीपुर का बिजली उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग से अपील की है कि मीटर रीडरों की अवैध उगाही को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि वे बिजली बिल का भुगतान करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अवैध उगाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मातृछाया हॉस्पिटल के डायरेक्टर ने दिन प्रतिदिन बढ़ रही गर्मी से बचाव के दिए उपाय

बुलंदशहर (सब का सपना):- अप्रैल से ही गर्मी का प्रकोप बढ़ने लग जाता है और गर्मी इस कदर बढ़ने लग जाती है कि लोगों को घर से निकलना भी कठिन हो जाता है वहींमातृछाया हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर आशीष शर्मा डाइटीशियन नुपुर गोविल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तपती हुई गर्मी में कुछ छोटी-छोटी सावधानियाँ अपनाकर आप स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। तेज धूप से आने के तुरंत बाद बहुत

ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए, क्योंकि इससे शरीर पर सर्दी-गर्मी का प्रभाव पड़ता है और स्वास्थ्य को नुकसान पहुँच सकता है। यदि आप धूप में बाहर जा रहे हैं तो अपने सिर को सूती कपड़े या टोपी से अवश्य ढकें, क्योंकि तेज गर्मी सिर में लगने से चक्कर, कमजोरी एवं बुखार जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। गर्मियों में पर्याप्त पानी, छाछ, नींबू पानी एवं मौसमी फलों का सेवन करें तथा हल्का एवं संतुलित भोजन लें। थोड़ी सी सावधानी आपको गर्मी के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रख सकती है।

अपना दल (एस) की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला पंचायत मॉल स्थित अपना दल (एस) कार्यालय पर जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी एवं संचालन जिला महासचिव खालिक अंसारी ने किया। जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने कार्यकताओं से बूथ, सेक्टर और जोन स्तर पर संगठन मजबूत करने तथा हर गांव में सक्रिय टीम तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय और

सर्वजन हिताय के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। बैठक में बिजली, पानी, सड़क और किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई। तय किया गया कि पार्टी प्रतिनिधिमंडल जल्द जिला प्रशासन से मिलकर समस्याओं के समाधान की मांग करेगा।

इस दौरान केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में अल्वी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिनका पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह किसी पार्टी की नहीं, पूरे हिंदू समाज की जीत- सर्वेश राणा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में हिंदूवादी विचारधारा की सरकार बनने पर शिवसेना जिला कार्यालय में उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर पार्टी के सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी और खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम के दौरान सर्वेश राणा जिला अध्यक्ष शिवसेना ने कहा कि यह जीत केवल किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज

की जीत है। उन्होंने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि देश में हिंदुत्व की विचारधारा को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा, महिला मोर्चा की जिला प्रभारी सरोज रानी, भवानी सेना की जिला अध्यक्ष नीलम भाटी, महिला मोर्चा की जिला संयोजक उषा राजपूत, गीता दुग्गल, दानवीर प्रधान, जिला प्रभारी काशीम सहित कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुटता का संदेश देते हुए भविष्य में भी संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

गांव ढलना में बसपा की बैठक आयोजित, बूथ व सेक्टर कमेटियों के गठन पर जोर

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के चादोक सेक्टर अंतर्गत गांव ढलना में बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ह्लगांव चलो अभियानह्व के तहत किया गया, जिसमें बूथ एवं सेक्टर स्तर की कमेटियों का गठन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राव मुहीब खां ने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि बूथ और सेक्टर

कमेटियों के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पूरी ईमानदारी से पार्टी की नीतियों और बहुजन समाज पार्टी की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में पांचवीं बार मायावती को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को आपसी भाईचारे और समर्पण के साथ कार्य करना होगा। मजबूत बूथ संगठन ही पार्टी की सफलता की कुंजी है।

बैठक में मुख्य रूप से प्रेमपाल सिंह (विधानसभा अध्यक्ष), प्रदीप कुमार पिपेरा (विधानसभा प्रभारी), वीपी सिंह (पूर्व प्रभारी), दिलावर सिंह (सेक्टर अध्यक्ष), मुकुट लाल (सेक्टर अध्यक्ष चादोक), आदेश कुमार, टिंकू, कुलदीप, मनोज, रोहित, दिनेश कुमार, डीलर रॉबी, अनुज सहित अनेक ग्रामवासी एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजघाट में गूंजी बंगाल की जीत; वेदांती मंदिर में हनुमान जी की पूजा कर कार्यकताओं ने मनाया विजयोत्सव

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सफलता का उत्साह डिबाई विधानसभा क्षेत्र के राजघाट में भी देखने को मिला। मंगलवार को भाजपा कार्यकताओं ने राजघाट स्थित प्रसिद्ध वेदांती मंदिर में एकत्रित होकर जीत का जश्न मनाया और भविष्य के लिए मंगल कामना की। जीत की खुशी साझा करने के लिए कार्यकताओं ने सबसे पहले वेदांती मंदिर स्थित बड़े हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना की। कार्यकताओं ने इसे केवल राजनैतिक जीत न मानकर सनातन की जीत

करार दिया। मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा के पाठ के साथ कार्यकताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह जीत बंगाल के उन लाखों कार्यकताओं के संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी का झंडा बुलंद रखा।

कार्यकताओं ने बंगाल की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां के नागरिकों ने राष्ट्रवाद और विकास के पथ को चुनकर एक नई इबारत लिखी है।

विजयोत्सव के दौरान मुख्य रूप से ग्राम प्रधान ओमवीर सिंह, पंडित राजू शर्मा, गोपाल शर्मा, ग्राम पंचायत सहायक आकाश सक्सेना, विशाल कश्यप, सुंदर, नेत्रपाल, सचिन, दीपचंद, कपिल, नन्हे, गोपाल कश्यप, भूपेंद्र, गुड्डा, दीपू, चंद्रपाल और बनवारी लाल सहित भारी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

प्राधिकरण का अवैध प्लाटिंग पर बड़ा एक्शन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण (बीकेडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए ग्राम मुडांखेड़ा व ग्राम बगराई क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

प्राधिकरण की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में ग्राम मुडांखेड़ा स्थित भारत एजेंसी के पास गुलजार, अब्दुल रहीम व कदीम द्वारा लगभग 6 बीघा में की जा रही अवैध प्लाटिंग तथा ग्राम बगराई में चौकी से बंबे की पटरी पर झमका की ओर चन्द्रपाल, राजकुमार आदि द्वारा

लगभग 15 बीघा में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर कार्रवाई की। यह अभियान सक्षम प्राधिकारी के निर्देशन में सहायक अभियंता, अवर अभियंता एवं प्राधिकरण के सचल दल की मौजूदगी में चलाया गया। प्राधिकरण की नवागत उपाध्यक्ष डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत आमजन से अपील की गई है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के कोई निर्माण न करें और अवैध कॉलोनियों में भूखंड खरीदने से बचें।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत कॉलोनियों की सूची बीकेडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

स्कूली वाहनों और मॉडिफाइड साइलेंसर के खिलाफ चला अभियान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत परिवहन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा स्कूली वाहनों तथा मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान बिना परमिट एवं बिना फिटनेस संचालित स्कूली वाहनों की गहन जांच की गई। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 3 स्कूली वाहनों के चालान किए गए, जबकि एक वाहन को सीज कर

दिया गया।

इसके अतिरिक्त ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान तेज आवाज करने वाली 2 बुलेट मोटरसाइकिलों को सीज किया गया। वहीं 4 अन्य वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगे पाए जाने पर उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि सभी वाहन आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही संचालित करें तथा ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उपकरणों का प्रयोग न करें, जिससे आमजन को असुविधा का सामना न करना पड़े।

खुले आसमान तले बारिश में भीगा सैकड़ों कुंतल सरकारी गेहूं

एफसीआई खरीद केंद्र की लापरवाही उजागर, सरकारी अनाज की बबार्दी पर उठे सवाल

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बा औरंगाबाद स्थित नवीन अनाज मंडी में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा संचालित सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर भारी लापरवाही सामने आई है। गुरुवार सुबह हुई बारिश में खुले आसमान के नीचे रखा सैकड़ों कुंतल सरकारी गेहूं भीग गया। इस घटना ने खरीद केंद्र की व्यवस्थाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार नवीन सब्जी मंडी क्षेत्र में स्थापित एफसीआई खरीद केंद्र पर किसानों से खरीदा गया गेहूं लंबे समय से खुले में पड़ा हुआ था। गेहूं के सुरक्षित भंडारण

अथवा समय पर उठान की समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। गुरुवार सुबह अचानक हुई बारिश के दौरान केंद्र पर मौजूद गेहूं पूरी तरह भीग गया, जबकि उसे बचाने के लिए मौके पर कोई प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र संचालकों और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते सरकार की करोड़ों रुपये की खाद्यान्न संपत्ति बर्बाद हो रही है। यदि भीगे हुए गेहूं का भंडारण किया गया तो उसके खराब होने की आशंका भी बढ़ जाएगी, जिससे सरकारी नुकसान के साथ-साथ खाद्यान्न गुणवत्ता पर भी असर पड़ेगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मौसम विभाग द्वारा लगातार बारिश की संभावना जताई जा रही थी, तब भी खरीद केंद्र पर तिरपाल, गोदाम या सुरक्षित भंडारण जैसी व्यवस्थाएं क्यों नहीं की गईं। मौके पर मौजूद किसानों और व्यापारियों ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस गंभीर लापरवाही को कितनी गंभीरता से लेता है और सरकारी गेहूं की बबार्दी के जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।

हाईटेंशन लाइन बनी काल, करंट की चपेट में आने से मादा गुलदार की मौत

नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नांगल सोती थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक मादा गुलदार की मौत हो गई। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना बरकातपुर लालपुरमान इलाके की है। बताया जा रहा है कि एक गुलदार नहर किनारे जंगल क्षेत्र में लगे पेड़ पर चढ़ने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान वह पेड़ के पास से गुजर रही 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। करंट इतना जोरदार था कि गुलदार की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक वानिकी की टीम मौके पर पहुंची। वन दरोगा विकास कुमार ने बताया कि मृत गुलदार मादा थी और उसकी उम्र करीब 6 वर्ष आंकी गई है। वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नहर किनारे जंगल में मृत गुलदार मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह घटना वन्यजीवों की सुरक्षा और घने जंगलों के बीच से गुजरती हाईटेंशन लाइनों के प्रबंधन पर भी सवाल खड़े करती है।

यातायात जागरूकता अभियान, मॉडिफाइड साइलेंसर बाइकों के काटे चालान

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के इस्लामनगर मैन चौराहा बहजोई पर गुरुवार को यातायात नियमों के पालन को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं यातायात प्रभारी के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान का संचालन यातायात उप निरीक्षक अशोक कुमार द्वारा किया गया।

अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे बाइक चालकों को रोककर उन्हें हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को बताया कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण है। सड़क दुर्घटना के दौरान हेलमेट गंभीर चोटों से बचाने में अहम भूमिका निभाता है।

इसके अलावा मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज करने वाली बाइकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने ऐसे कई वाहनों के चालान काटे और वाहन चालकों को चेतावनी दी कि

भविष्य में नियमों का उल्लंघन करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाज आम जनता, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और मरीजों के लिए परेशानी का कारण बनती है तथा यह यातायात नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने महिला वाहन चालकों एवं राहगीरों को भी सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

मंडी धनौरा में भाकियू (असली) ने किसानों व क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,दी आन्दोलन की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भाकियू (असली) के किसानों ने किसानों से जुड़ी समस्याओं एवं क्षेत्रीय समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन एसडीएम धनौरा को सौंपा ,जिसमें किसानों ने यह साफ कर दिया कि यदि किसानों की मांगों पर प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं की गई और 9 मई को प्रस्तावित बैठक में जिला गन्ना अधिकारी मौजूद नहीं हुए तो किसान स्टेट हाईवे पर चक्का जाम करने का काम करेंगे।

बता दें कि गुरुवार को भाकियू असली संगठन के किसानों ने बड़ी संख्या में तहसील परिसर पहुंचकर एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे को एक ज्ञापन सौपा, जिसमें संगठन के नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं को लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है जिससे उनमें भारी नाराजगी है

,किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समाधान की मांग की है। किसानों ने जिला सहकारी बैंक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों से 3% प्रतिशत की बजाय 7% ब्याज वसूला जा रहा है जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। यूनियन नेताओं ने मांग की कि बैंकों को तत्काल लिखित आदेश जारी कर किसानों से केवल निर्धारित ब्याज ही लेने के निर्देश दिए जाएं। ज्ञापन में गन्ना सीजन 2026-27 के सर्वे का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्होंने खेतों में 05009 वैरायटी का गन्ना बोया है लेकिन सर्वे में उसे गलत तरीके से 0238 दर्ज किया जा रहा है, किसानों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है उन्होंने वास्तविक फसल के आधार पर दोबारा सर्वे करने की मांग की। किसानों ने गन्ना सहकारी समिति के नए भवन निर्माण को लेकर भी आपत्ति जताई,उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य तय मानकों और उचित पैमाने के अनुसार होना चाहिए। संगठन ने आरोप लगाया कि किसानों की जरूरत को ध्यान में रखें बिना योजनाएं बनाई जा रही हैं, यूनियन नेताओं ने कहा कि 9 मई को ब्लॉक परिसर धनौरा में संगठन की मासिक बैठक आयोजित होगी किसान नेता नरेश कुमार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दोपहर 2:00 बजे तक जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा बैठक में नहीं पहुंचे तो किसान स्टेट हाईवे पर चक्का जाम करने का काम करेंगे। इस दौरान मौके पर दिनेश सिंह ,देशराज सिंह, नरेश सिंह ,जगदीश यादव ,लोकेंद्र सिंह ,जसपाल गिल, प्रकाश देव शर्मा, नन्हे सिद्ध, और सुरेश यादव समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था को लेकर डीएम और एसपी ने सम्भल नगर में किया पैदल गश्त

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने गुरुवार को कस्बा सम्भल के प्रमुख बाजारों, मार्गों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यापक पैदल गश्त की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कुल्दीप सिंह भी मौजूद रहे।

पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं राहगीरों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने आमजन को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त करते हुए अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

गश्त के दौरान पुलिस बल द्वारा संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

डीएम और एसपी की संयुक्त पैदल गश्त से बाजारों एवं आमजन में सुरक्षा का संदेश गया तथा लोगों ने प्रशासनिक सक्रियता की सराहना की।

फिर एक मंच पर साथ आएंगे हुड्डा और सैलजा? गुरुग्राम में सद्भाव यात्रा में शामिल होने से पहले राहुल गांधी का आदेश

नई दिल्ली। हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा से दूरी बनाने वाले कांग्रेस के सभी नेता गुरुग्राम आठ मई को गुरुग्राम में होने वाली सद्भाव यात्रा में एकजुट होने जा रहे हैं। निकाय चुनाव के मतदान के पहले इस यात्रा में शामिल होकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रदेश से जुड़े सभी नेताओं को एक साथ होना देखना चाहते हैं, जिससे यह संदेश जाए कि पार्टी में गुटबाजी नहीं है। इसी मकसद ने उन्होंने आठ मई की शाम खांडसा चौक से निकलने वाली यात्रा तथा उसके बाद स्कूल परिसर के पास होने वाली सभा में शामिल होने आ रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के कार्यक्रम को देखते हुए कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद बृहस्पतिवार को गुरुग्राम आकर बैठक करेंगे और सभी नेताओं को यात्रा में शामिल होने का संदेश देंगे। कई बड़े नेता रहेंगे मौजूद बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह सहित कई नेता मौजूद रहेंगे। कई नेता विधायक तथा सांसदों को मोबाइल पर भी कार्यक्रम में आने का संदेश दिया जाएगा। बता दें कि कांग्रेस के महासचिव, रणदीप सुरजेवाला, कुमारी सैलजा, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव और कुलदीप शर्मा पहले से हो रहे हैं बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में शामिल हो चुके हैं।जबकि बीके हरिप्रसाद, राव नरेंद्र सिंह ने यात्रा आरंभ होने से पहले ही यह कर दूरी बना ली थी कि पार्टी का कार्यक्रम नहीं है। बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा को दोनों ने निजी कार्यक्रम बताया था। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह, सांसद दीपेंद्र हुड्डा तथा उनके करीबी नेता भी यात्रा में शामिल नहीं हुए थे।अब सभी के आने की संभावना है क्योंकि यह कार्यक्रम पार्टी के मंच का हिस्सा बन चुका है। आज होने वाली बैठक में नेता प्रतिपक्ष के रूट में शामिल रहने वाले अधिकारी भी मौजूद रहेंगे ताकि कांग्रेसी नेताओं से बात कर सुरक्षा के हिसाब से प्लान तैयार कर सकें।

दुष्यंत चौटाला को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, काफिले को रोकने और धमकी मामले में केंद्र, हरियाणा सरकार और सीबीआई को नोटिस

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा दायर याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने वीरवार को हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार तथा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी कर पूरे मामले में विस्तृत जवाब तलब कर लिया। हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित पक्षों से पूछा है कि अब तक जांच की वास्तविक स्थिति क्या है और याचिकाकर्ता को जांच प्रक्रिया में किस आधार पर शामिल नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान दुष्यंत चौटाला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद घई ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पूरी तरह जांच में सहयोग देने को तैयार हैं, लेकिन अब तक जांच कर रही विशेष जांच टीम ने उन्हें कोई नोटिस जारी नहीं किया। न तो पूछताछ के लिए बुलाया गया और न ही किसी प्रकार की औपचारिक सूचना दी गई। ऐसे में बिना प्रक्रिया अपनाए मामले को लंबित रखना कानून के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत है।अदालत में क्या बोले वकील? वरिष्ठ वकील ने अदालत के समक्ष यह भी दलील रखी कि जांच एजेंसियों द्वारा अब तक अपनाया गया रवैया न केवल प्रक्रिया संबंधी सवाल खड़े करता है, बल्कि इससे निष्पक्ष जांच की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगता है।उन्होंने कहा कि जब तक याचिकाकर्ता को आधिकारिक रूप से जांच में शामिल होने का अवसर ही नहीं दिया गया, तब तक उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिकूल धारणा उचित नहीं मानी जा सकती। दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए हरियाणा सरकार, भारत सरकार और सीबीआई को नोटिस जारी कर विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच की वर्तमान स्थिति, एसआईटी की कार्रवाई, नोटिस जारी करने अथवा न करने के कारण तथा आगे की प्रक्रिया को लेकर पूरा ब्यौरा रिकॉर्ड पर लाया जाए।इस मामले में हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अपने काफिले को रोककर हथियार दिखाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

अवैध खनन पर हाई कोर्ट सख्त, चरखी दादरी प्रशासन को फटकार; एडीएम स्तर के अधिकारी से मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़। हरियाणा के चरखी दादरी में कथित अवैध खनन और पर्यावरण उल्लंघनों पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला मजिस्ट्रेट-सह-डिप्टी कमिश्नर, चरखी दादरी को स्पष्ट निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन न होने दिया जाए। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) से कम रैंक के अधिकारी को जिम्मेदारी न सौंपने का निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं मौके का निरीक्षण कर शपथपत्र सहित विस्तृत रिपोर्ट अदालत में पेश करे।यह आदेश जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने विजय एवं अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। याचिकाकताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि निजी पक्ष को दी गई माइनिंग लीज जनवरी 2026 में समाप्त हो चुकी है, लेकिन लीज नवीनीकरण न होने के बावजूद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खनन गतिविधियां जारी हैं। हाईकोर्ट ने मामले को माना गंभीर इस पर हाई कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए जिला प्रशासन को सीधे जवाबदेह ठहराया।खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्तर पर अवैध खनन न हो। अदालत ने साथ ही स्पष्ट किया कि केवल औपचारिक जवाब पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि जिम्मेदार अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से स्थल निरीक्षण कर तथ्यात्मक स्थिति अदालत के समक्ष रखनी होगी।मामले की अगली सुनवाई अब 15 जुलाई को होगी, जहां इसे संबंधित दूसरी याचिका के साथ सुना जाएगा। संबंधित याचिका में चरखी दादरी के अरावली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय क्षति और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का मुद्दा भी उठाया गया है। पूर्व सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट राज्य सरकार के रवैये पर तीखी टिप्पणी कर चुका है। अदालत ने प्रशासनिक लापरवाही, संभावित मिलीभगत और प्राकृतिक संसाधनों की लूट एवं दोहन जैसी गंभीर टिप्पणियां करते हुए कहा था कि पर्यावरण जैसे संवेदनशील मुद्दे को राज्य सरकार ने बेहद हल्के ढंग से लिया।हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा पूर्व आदेशों के अनुपालन के बजाय जांच समिति गठित करने के प्रस्ताव पर भी नाराजगी जताई थी। अदालत ने दो टूक कहा था

हरियाणा: साले ने ही ली थी जीजा की जान, प्रेम विवाह से नाराज होकर गोलियों से भूनने वाले 5 आरोपियों को आजीवन कारावास

पानीपत। शहर के अंसल चौक पर प्रेम विवाह में बंटी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप सिंह की अदालत ने फैसला सुनाते हुए पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिन दोषियों को सजा सुनाई उनमें सुरेंद्र, रिंकू उर्फ रिंकी, अनिल उर्फ मोटा, राजेश उर्फ राजू और श्याम सुंदर शामिल हैं। वहीं, आरोपित मोनू को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 11-11 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।पुलिस ने बताया कि सेक्टर-13-17 थाना

पुलिस को 20 फरवरी 2023 को विजय ने शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह मूल रूप से गांव बबैल का रहने वाला है, वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड कालोनी अंसल में रहता है। उसके बड़े भाई बंटी ने काजल के साथ प्रेम विवाह किया था, जिससे काजल के परिवार में नाराजगी थी।

विजय ने बताया कि वह और उसका भाई अंसल चौक पर फुटपाथ पर सब्जी की दुकान लगाते थे। काजल के ताऊ का बेटा सुरेंद्र, संदीप और राजू शादी के बाद से ही बंटी की रेकी कर रहे थे। शाम करीब साढ़े सात बजे, जब बंटी दुकान पर था और विजय भी वहीं मौजूद था, तभी सफेद रंग की कार में सवार 4-5 युवक मौके पर पहुंचे। आरोपितों ने दुकान के पास आकर घेराबंदी की और बंटी पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बंटी ने सब्जी की क्रेट की आड़ लेकर बचने की कोशिश की, लेकिन गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

हरियाणा के कैथल में 15 एकड़ में जलाए फसल अवशेष, अब किसानों पर होगी कार्रवाई; प्रदूषण बोर्ड की टीम सक्रिय

कैथल। जिला प्रशासन की सख्ती के बाद भी कुछ किसान फसल अवशेषों में आग लगा रहे हैं। बुधवार को शाम के समय गांव बरोट में करीब 15 एकड़ में धान के अवशेष जलाए हुए थे। आगजनी करने वाले किसानों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से कृषि विभाग को लिख दिया गया है। पत्र में लिखा गया है कि आगजनी करने वाले किसानों पर केस दर्ज करवाया जाए, उन्हें जुमार्ना लगाया जाए और उनकी रेड एंट्री भी की जाए। प्रदूषण को रोकने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें सक्रिय हो चुकी हैं। प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीन कुमार के निर्देश पर एसडीओ डा. सतीश कुमार, हरप्रीत सिंह, मंदीप पठानिया और शशि प्रकार की टीमें जिले भर में निरीक्षण कर रही हैं। देर शाम के समय प्रदूषण बोर्ड के एसडीओ

हरप्रीत सिंह की टीम ढांड एरिया में मौजूद थी। तभी टीम गांव बरोट में पहुंची तो वहां किसानों ने फसल अवशेषों में आग लगाई हुई थी। किसान ऐसे समय में आग लगाते हैं कि कृषि विभाग की सैटेलाइट में भी आगजनी ना आए और अधिकारी भी कार्यालय से घर जा चुके हैं। टीम ने मौके पर ही दमकल विभाग की गाड़ियों को बुलाया और डायल 112 की टीम को भी बुला लिया गया था।दो घंटे के बाद बुझी आग दमकल विभाग के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। शाम के समय देर आंधी भी आई थी और अगर ऐसे में आग पर काबू ना पाया जाता तो आग ज्यादा भड़क भी सकती थी। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि करीब 15 एकड़ में अवशेष जलाए गए थे। उन खेतों के मालिक किसानों को भी मौके पर बुला लिया गया था। हालांकि बोर्ड की टीम ने किसानों को समस्या कि अवशेष में आगजनी के क्या-क्या नुकसान होते हैं। बता दें कि गेहूं का सीजन लगभग खत्म हो चुका है। ज्यादातर गेहूं कंबाइन की सहायता से काटी जाती है और इसके बाद खेतों में गेहूं के अवशेष रह जाते हैं। कुछ किसान इन अवशेषों में आग लगा रहे हैं।

सामने आ चुकी हैं 207 लोकेशन

गेहूं के सीजन में आगजनी की करीब 207 लोकेशन सामने आ चुकी हैं। हालांकि कृषि विभाग की तरफ से इस बार एक भी किसान पर केस दर्ज नहीं करवाया गया है और ना ही किसी किसान को जुमार्ना लगाया है। इन आगजनी को लेकर विभाग का तर्क है कि यह आग अचानक से लगी हैं और किसानों की तरफ से आगजनी नहीं की गई थी। बता दें कि सीजन के दौरान हर बार विभाग की तरफ से किसानों पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन इस बार कोई कार्रवाई नहीं की गई है। फसल अवशेष में आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की तरफ से प्रयास किए जा रहे हैं।

सद्भाव यात्रा में राहुल गांधी होंगे शामिल, हरियाणा कांग्रेस के सभी गुट होंगे एकजुट; राव नरेंद्र सिंह ने जारी किया पत्र

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेश विभाग के सह संयोजक एवं हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा को कांग्रेस की अधिकृत यात्रा नहीं मानने वाले हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सभी सांसदों, विधायकों और पार्टी जिलाध्यक्षों को इस यात्रा में शामिल होने के लिए निर्देशित किया है। पिछले साल पांच अक्टूबर को आरंभ हुई बृजेंद्र सिंह की इस सद्भाव यात्रा में शामिल होने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को गुरुग्राम के गांव खांडसा चौक पर पहुंच रहे हैं। राहुल गांधी के इस कार्यक्रम में विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी शामिल होंगे।सभी कांग्रेस नेता पहुंचेंगे गुरुग्राम खास बात यह है कि बृजेंद्र सिंह ने जब यह यात्रा शुरू की थी, तब बीके हरिप्रसाद और राव नरेंद्र सिंह ने खुले तौर पर इस यात्रा को हरियाणा कांग्रेस कमेटी की अधिकृत यात्रा मानने से इनकार कर दिया था। अब चूंकि राहुल गांधी इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं तो सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का गुरुग्राम पहुंचना जरूरी हो गया है।राव नरेंद्र सिंह ने कांग्रेस जिलाध्यक्षों, सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों, कांग्रेस उम्मीदवारों और सभी विभागों के राज्य स्तरीय नेताओं को पत्र लिखकर राहुल गांधी के कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने जो पत्र जारी किया है, उसमें सद्भाव यात्रा में राहुल गांधी के शामिल होने का जिक्र है, लेकिन यह यात्रा पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने आरंभ की थी, इसका कोई उल्लेख नहीं है। राज्य में 10 मई को शहरी निकाय चुनाव हैं। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष ने उन शहरी निकाय क्षेत्रों के नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकताओं को राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की छूट दी है, जहां-जहां चुनाव होने वाले हैं। कल गुरुग्राम आ रहे राहुल गांधी राहुल गांधी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आठ मई को गुरुग्राम आ रहे हैं। राहुल गांधी शुक्रवार शाम को करीब तीन बजे पदयात्रा गुरुग्राम के खांडसा रोड स्थित हरी नगर की सब्जी मंडी से आरंभ करेंगे और एसडी स्कूल में जनसभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला और पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव पहले ही बृजेंद्र सिंह सद्भाव यात्रा में कई बार शामिल हो चुके हैं, जबकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट ने इस यात्रा से दूरी बनाए रखी थी। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने एक वीडियो जारी कर कांग्रेस के सभी नेताओं व कार्यकताओं से राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया है।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देने पर होगी जेल, संपत्ति जब्ती और लाखों का जुमार्ना भी; हरियाणा में नया कानून लागू

चंडीगढ़। विदेश में नौकरी, वर्क परमिट और मोटी कमाई के सपने दिखाकर लोगों से ठगी करने वाले फर्जी ट्रैवल एजेंटों की खैर नहीं। हरियाणा सरकार ने ट्रैवल एजेंटों से जुड़े कानून में बड़ा बदलाव करते हुए नया कानून लागू कर दिया है। अब कोई भी ट्रैवल एजेंट विदेश में नौकरी दिलाने, भर्ती कराने या रोजगार के नाम पर लोगों को बाहर भेजने का दावा नहीं कर सकेगा। ऐसा करने पर उसके खिलाफ सख्त आपराधिक कार्रवाई होगी। हरियाणा सरकार ने साफ कर दिया है कि विदेश में रोजगार से जुड़े सभी मामलों पर केवल केंद्र सरकार का कानून ही लागू होगा। हरियाणा में पिछले कुछ वर्षों में विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी, फर्जी वीजा, मानव तस्करी और करोड़ों की ठगी के कई मामले सामने आए थे। इसी को देखते हुए सरकार ने ह्यहरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन आफ ट्रैवल एजेंट्स (अमेंडमेंट) एक्ट 2026ह्ल लागू किया है। यह कानून केवल ट्रैवल और टूर सेवाओं तक एजेंटों की भूमिका सीमित करता है। यानी एजेंट टिकट, टूर पैकेज और यात्रा व्यवस्था तक ही काम कर सकेंगे।विदेश में नौकरी दिलाने का दावा करना सीधे कानून के दायरे में आएगा। नये कानून में सजा के बेहद कड़े प्रविधान किए गए हैं। यदि कोई एजेंट विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर फजीर्वाड़ा करता है, नकली दस्तावेज तैयार करता है या मानव तस्करी में शामिल मिलता है, तो सात से 10 साल तक जेल हो सकती है। दो से पांच लाख रुपये तक जुमार्ना भी लगेगा। बिना रजिस्ट्रेशन एजेंट का काम करने वालों के लिए भी सख्त सजा तय की है। ऐसे मामलों में दो से सात साल तक की कैद हो सकती है। दोषी एजेंट की संपत्ति जब्त कर पीड़ितों को मुआवजा दिया जा सकेगा। इस कानून की सबसे अहम व नई व्यवस्था लोकपाल सिस्टम को माना जा रहा है। किसी व्यक्ति को विदेश भेजने के नाम पर ठगी होती है तो उसे पुलिस थाने के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

सफाई कर्मचारी की हड़ताल का सातवां दिन, कूड़े के ढेर में बदला झज्जर; बदबू से लोग परेशान

झज्जर। इन दिनों शहर की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। शहर की गलियों से लेकर मुख्य बाजारों तक, हर तरफ कूड़े के अंबार लगे हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल वीरवार को सातवें दिन में प्रवेश कर गई है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि अब पूरा शहर एक बड़े कूड़ादान जैसा नजर आने लगा है। दरअसल, शहर के मुख्य चौक, चाहे वह बीकानेर चौक हो या अन्य व्यस्त चौराहे, हर जगह गंदगी के ढेर लगे हैं। उठ रही दुर्गंध के कारण राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। आलम यह है कि 13 चिह्नित डंपिंग पाइंट्स पर कूड़े का ढेर बड़ा बनने लगा है, जहां से पालिथीन की थैलियां हवा में उड़कर सड़कों पर फैल रही हैं, जिससे वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। थम गए ट्रैक्टर-ट्राली के पहिए हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारियों ने पुरानी नगर परिषद कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया है। इस तालाबंदी की वजह से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।वे न तो ट्रैक्टर-ट्राली बाहर निकाल पा रहे हैं और न ही अन्य उपकरण। इतना ही नहीं, हड़ताली कर्मचारी काम करने के इच्छुक स्टाफ को भी रोकने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे शहर में सफाई का चक्र पूरी तरह टूट गया है। कारोबारी खुद झाड़ू उठाने को मजबूर गंदगी से परेशान होकर अब व्यापारी खुद अपनी दुकानों के सामने सफाई करने को मजबूर हैं। कई जगहों पर दुकानदार सुबह खुद झाड़ू लगाते हैं और सड़क के बीचों-बीच जमा कूड़े को आग के हवाले कर देते हैं ताकि कुछ हद तक गंदगी और मक्खियों से राहत मिल सके। हालांकि, कूड़ा जलाने से उठने वाला धुआं पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। इस तरह से रखी लोगों ने अपनी बात

- बीकानेर चौक के पास दुकान चलाने वाले महेंद्र कुमार ने बताया, स्कूल की दीवारों पर हजारों रुपये खर्च कर स्वच्छता के स्लोगन लिखवाए गए हैं, लेकिन हकीकत यह है कि उसी दीवार के नीचे कूड़े का ढेर लगा है। अब तो ग्राहकों का दुकान पर आना भी मुश्किल हो गया है। - स्थानीय निवासी राजेश कुमार का कहना है, सात दिन से गलियों में कोई सफाई कर्मचारी नहीं आया। घरों में कूड़ा रखने की जगह नहीं बची है। अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो दिक्कत बढ़ने से बीमारियों के फैलने का डर है। प्रशासन को जल्द बीच का रास्ता निकालना चाहिए।

- हड़ताल का नेतृत्व कर रहे कर्मचारी नेता ने स्पष्ट किया, हम भी शहर को गंदा नहीं देखना चाहते, लेकिन हमारी जायज मांगों को अनसुना किया जा रहा है। दावों की हवा निकालती जमीनी सच्चाई देखा जाए तो एक तरफ सरकार "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं हड़ताल के बाद दिख रही जमीनी हकीकत इन दावों की हवा निकाल रही है। हड़ताल के सात दिनों ने शहर की सुंदरता को मटियामेट कर दिया है। यदि अगले 24 घंटों में कूड़े का उठान शुरू नहीं हुआ, तो स्थिति और भी विस्फोटक हो सकती है। फिलहाल, झज्जर की जनता गंदगी के बीच जीने को मजबूर है और समाधान की आस लगाए बैठी है।

'टॉक्सिक' जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ''मेरे लिए 'इंस्पेक्टर अविनाश' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।''

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ''तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।'' उर्वशी ने कहा, ''मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।'' उन्होंने कहा, ''यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।''

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम 'द इंडिया' स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्क्वैल प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें'। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है?

कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।